



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राचिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 680]  
No. 680]नई दिल्ली, रुक्मिणी, जुलाई 1, 2005/आषाढ़ 10, 1927  
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 1, 2005/ASADHA 10, 1927

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 30 जून, 2005

का.आ. 937(अ).—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, सौराष्ट्र कच्छ स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड जिसका अपना रजिस्ट्रीकृत कार्यालय “पोपटभाई सोराठिया भवन”, सदर बाजार, राजकोट-360001 में स्थित है द्वारा प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 3 के अधीन किए गए मान्यता के नवीकरण के लिए आवेदन पर विचार करते हुए और यह समाधान हो जाने पर कि यह स्थापार के हित में होगा और ऐसा करना लोक हित में भी होगा, एतद्वारा, प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेंज को मान्यता का नवीकरण उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन 10 जुलाई, 2005 को प्रारम्भ होने वाली और 9 जुलाई, 2006 को समाप्त होने वाली एक वर्ष की कालावधि के लिए प्रतिभूतियों में संविहारों की बाबत शर्तों जो इसके पश्चात् विहित या अधिरोपित की जाएं के अध्यधीन प्रदान करता है।

[फ. सं. भाप्रविबो/विवि/43385/2005]

जी. अनंतरामन, पूर्णकालिक सदस्य

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD  
OF INDIA  
NOTIFICATION

Mumbai, the 30th June, 2005

S.O. 937(E).—The Securities and Exchange Board of India, having considered the application for renewal of recognition made under Section 3 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 by The Saurashtra Kutch Stock Exchange Limited having its registered office at “Popatbhai Sorathia Bhavan”, Sadar Bazar, Rajkot-360001 and being satisfied that it would be in the interest of the trade and also in the public interest so to do, hereby grants, in exercise of the powers conferred by Section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 renewal of recognition to the said exchange under Section 4 of the said Act, for a period of one year commencing on the 10th day of July, 2005 and ending on 9th day of July, 2006 in respect of contracts in securities subject to the conditions as may be prescribed or imposed hereafter.

[F.No. SEBI/LE/43385/2005]  
G. ANANTHARAMAN, Whole Time Member  
Securities.